एमएनएनआईटी प्रयागराज में हिंदी माह का शुभारंभ एक माह तक आयोजित होंगी विविध प्रतियोगिताएं

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान इलाहाबाद, प्रयागराज के हिंदी प्रकोष्ठ द्वारा शिक्षा मंत्रालय के निर्देशानुसार हिंदी माह मनाने का निर्णय लिया गया है। इसी क्रम में संस्थान में हिंदी माह के विविध कार्यक्रमों का शुभारंभ गरिमामय वातावरण में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन संस्थान के कार्यवाहक निदेशक प्रोफेसर एम. एम. गोरे, हिंदी प्रकोष्ठ के नव नियुक्त उपाध्यक्ष प्रोफेसर आशीष कुमार सिंह, संस्थान के कुल सचिव डॉ. अम्बक कुमार राय तथा सहायक निदेशक (राजभाषा) हिंदी प्रमोद कुमार द्विवेदी द्वारा दीप प्रज्वलन एवं राष्ट्रभावना से ओतप्रोत वंदे मातरम् गीत के सामूहिक गायन के साथ किया गया।

इस अवसर पर संस्थान के सहायक कुल सचिव सत्यजीत कुमार ने हिंदी माह के अंतर्गत एक माह तक आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि हिंदी माह के दौरान संस्थान के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों की सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अनेक साहित्यिक, भाषाई एवं ज्ञानवर्धक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा।

हिंदी माह के अंतर्गत कविता वाचन, हिंदी भाषण, हिंदी निबंध, हिंदी सुलेख, हिंदी साहित्य प्रश्नोत्तरी, वाद-विवाद प्रतियोगिता, हिंदी व्याकरण, मुहावरे एवं लोकोक्तियों पर आधारित प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इसके अतिरिक्त हिंदी दिवस व्याख्यान, हिंदी प्रश्नोत्तरी, प्रशासनिक शब्दावली प्रतियोगिता, हिंदी टिप्पणी एवं प्रारूप लेखन प्रतियोगिता, हिंदी लघु कथा वाचन तथा हिंदी अनुवाद सहित अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इन प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संस्थान के कार्यवाहक निदेशक प्रोफेसर एम. एम. गोरे ने हिंदी प्रकोष्ठ के नव नियुक्त उपाध्यक्ष प्रोफेसर आशीष कुमार सिंह को शुभकामनाएं एवं बधाई दी। उन्होंने हिंदी भाषा के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि हिंदी केवल संवाद की भाषा नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, सभ्यता, संवेदना और राष्ट्रीय एकता का सशक्त माध्यम है। उन्होंने सभी से दैनिक जीवन एवं कार्यस्थल पर हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग का आह्वान किया।

संस्थान के कुल सचिव डॉ. अम्बक कुमार राय ने सरकारी एवं प्रशासनिक कार्यों में हिंदी भाषा के आधिकारिक प्रयोग की आवश्यकता और इसकी वर्तमान प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने हिंदी के साथ-साथ भारत की समृद्ध लोकभाषाओं की भूमिका को रेखांकित करते हुए विशेष रूप से अवधी भाषा की सांस्कृतिक एवं साहित्यिक विरासत का उल्लेख किया।

हिंदी प्रकोष्ठ के उपाध्यक्ष प्रोफेसर आशीष कुमार सिंह ने हिंदी भाषा के विकास एवं उसके व्यापक प्रयोग पर बल देते हुए कहा कि हिंदी को केवल एक विषय या औपचारिक भाषा के रूप में न देखकर ज्ञान-विज्ञान, तकनीकी शिक्षा और प्रशासन की प्रभावी भाषा के रूप में आगे बढ़ाना आवश्यक है। कार्यक्रम का संचालन सहायक निदेशक (राजभाषा) हिंदी प्रमोद कुमार द्विवेदी ने किया। उन्होंने हिंदी भाषा की उपयोगिता, सरलता एवं व्यापकता पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए सभी उपस्थितजनों से हिंदी माह के कार्यक्रमों में उत्साहपूर्वक सहभागिता करने का आह्वान किया।

हिंदी माह के आयोजन के माध्यम से संस्थान में राजभाषा हिंदी के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों को हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग के लिए प्रेरित करने का प्रयास किया जाएगा। संस्थान ने इस अवसर पर हिंदी को जन-जन की भाषा के साथ-साथ ज्ञान, विज्ञान और तकनीकी अभिव्यक्ति की सशक्त भाषा बनाने का संकल्प भी व्यक्त किया।

Mantra Bharat, Date 02/09/2026, Page No.02